हिन्दी साहित्य की गद्य विधाओं पर पहेलियों द्वारा शिक्षण

सुश्री गुंजन जादौन (स०अ०) हिंदी

राजकीय हाईस्कूल जयनगर शमशाबाद आगरा।

उद्देश्य- **शिक्षिका द्वारा कक्षा में यह अनुभव किया गया कि छात्र एवं छात्रा हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं को पहचानने में व विधाओं में अंतर करने में असमर्थ है। विद्यार्थियों को केवल हिंदी एक विषय है इसी बात की जानकारी है यह अध्ययन करने के उपरांत शिक्षिका द्वारा छात्र-छात्राओं को हिंदी विषय के अंतर्गत अन्य विधाओं की जानकारी सरल माध्यम से देने के लिए प्रस्तुत नवाचार का प्रयोग किया गया आजकल यह देखा जा रहा है कि आज की पीढ़ी सोशल मीडिया में अपना अधिकतम समय व्यतीत करती है जिसके कारण दादा-दादी, नाना-नानी के द्वारा सुनाई जाने वाली कहानियां, पहेलियां सुनने की उत्सुकता बच्चों में समाप्त होती जा रही है साथ ही बच्चों में रचनात्मक कौशल की समाप्ति होती जा रही है NEP 2020 भी रचनात्मक कौशल के विकास को प्राथमिकता दे रही है इसी सोच के साथ शिक्षिका द्वारा बच्चों में हिंदी विषय के प्रति हीन भावना को दूर करने , NEP 2020 के उद्देश्य को पूरा करने के लिए स्वनिर्मित पहेलियों के माध्यम से विधाओं को समझने का प्रयास किया है।**

क्रियान्वयन -

सर्वप्रथम उक्त नवाचार के प्रयोग के लिए शिक्षिका द्वारा छात्र-छात्राओं को हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं के नाम से अवगत कराया गया तत्पश्चात दूरदर्शन का निर्माण किया गया (शिक्षण अधिगम सामग्री) जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न विधाओं से संबंधित चित्रों को दर्शाया गया और साथ ही पेपर ,गत्ते, मिट्टी के माध्यम से कठपुतली का निर्माण किया गया जिसके माध्यम से छात्र-छात्रा रोचक ढंग से विषय को समझ सकेंगे साथ ही शिक्षिका द्वारा विधाओं से संबंधित स्वनिर्मित पहेलियों का निर्माण किया गया जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को मौलिकता की जानकारी करायी गयी और विषय में आने वाली कठिनाइयों को दूर किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं में खेल-खेल से सीखने की गतिविधि से भी अवगत कराया गया और छात्र-छात्राओं द्वारा हिंदी विषय को रोचक विषय के रूप में जाना जाने लगा।

नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिस का कक्षा शिक्षण में प्रयोग

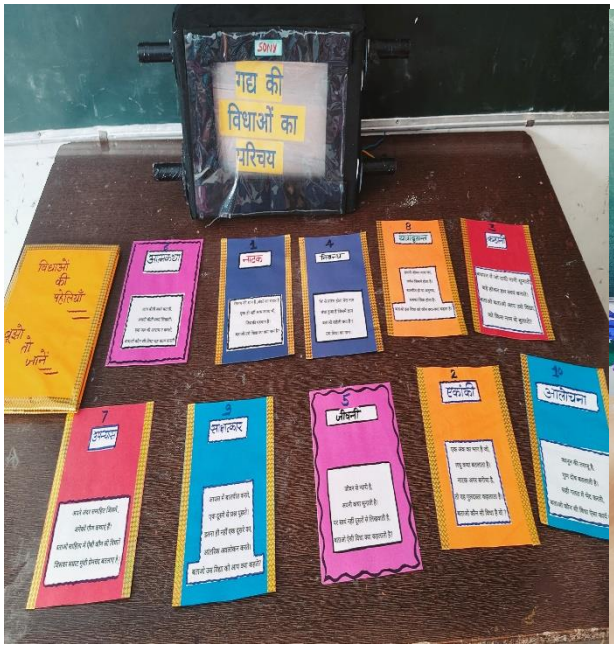

शिक्षिका द्वारा उक्त नवाचार के प्रयोग से छात्र-छात्राओं में विषय के प्रति अलगाव को दूर कर विषय को रोचक बनाया गया।

प्रभाव - शिक्षिका द्वारा कक्षा शिक्षण में किए गए नवाचार के द्वारा छात्र-छात्रा विषय को आसानी से समझकर अपनी परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों को आसानी से हल कर सके और कक्षा में कमजोर छात्र-छात्रा द्वारा भी अधिगम में यथासंभव प्रगति का अनुभव किया गया शिक्षिका द्वारा यह भी अनुभव किया गया कि जो छात्र-छात्रा विषय में कठिनाई के कारण विद्यालय से दूर भागते थे जब शिक्षिका द्वारा यह नवाचार का प्रयोग किया गया तब छात्र संख्या में प्रतिदिन वृद्धि होना भी प्रारंभ होने लगी और छात्र व

छात्राओं द्वारा विषय को रोचक ढंग से अध्ययन किया जाने लगा। इसके उपरांत बच्चों के परिणाम में दिन प्रतिदिन वृद्धि होने लगी।

पश्चात् की स्थिति

★ छात्र-छात्राओं में रचनात्मक शक्ति का विकास।

★ गद्य साहित्य से छात्र-छात्राओं में आने वाली नीरसता का समाप्त होना।

★ विषय को रोचक ढंग से समझना।

★ हिंदी विषय के प्रति अलगाव को समाप्त होना।

★ छात्र-छात्राओं में समुदाय में कार्य करने की शक्ति का विकास होना।

★ छात्र-छात्राओं में आईसीटी के प्रयोग की सामान्य जानकारी प्राप्त होना।

नवाचार महोत्सव में सतीश, अपूर्वा, गुंजन-धर्मेंद्र राज्य स्तर के लिए चयनित

- डायट में हो रहा है जिला स्तरीय नवाचार महोत्सव व नालेज शेयरिंग कार्यक्रम
- प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक व डायट शिक्षक कर रहे विभिन्न आयाम पर चर्चा

जासं, आगराः शिक्षा के नए आयाम स्थापित करने व नवीन प्रयोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गुरुवार को पच्चकुइयां स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में जिला स्तरीय नवाचार महोत्सव व नालेज शेयरिंग कार्यक्रम की शुरुआत हो गई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक व डायट शिक्षक शिक्षा, समाज व विकास के विभिन्न आयामों पर विचार साझा करेंगे। राइमरी संवर्ग में खेरागढ़ के सतीश कुमार ने प्रथम, जूनियर संवर्ग में नगर क्षेत्र की अपूर्वा शर्मा, माध्यमिक में शमसाबाद की गुंजन जादौन और डायट संवर्ग में धर्मेन्द्र प्रसाद गौतम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह आगरा की ओर से राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगे।

महोत्सव की शुरुआत संयुक्त शिक्षा निदेशक डा मुकेश चंद्र अग्रवाल, डायट प्राचार्य पुष्पा कुमारी ने की। संयुक्त शिक्षा निदेशक डा मुकेश चंद्र अग्रवाल ने सृजनात्मकता व ज्ञान-विनिमय की आवश्यकता पर बल देते हुए नवाचार के महत्व और शिक्षक के सदाचार व नवाचार को समझाया। प्राचार्य डायट पुष्पा कुमारी ने बताया कि नवाचार महोत्सव का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में नवीनतम प्रयोगों व शिक्षण पद्धतियों का आदान-प्रदान करना है। कार्यक्रम प्रभारी डा मनोज वार्ष्णेय ने बताया कि नालेज शेयरिंग कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षण कार्य में आयी चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श कर भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

निर्णायकों में डा लता चंदेला, डा. अंकुश औंधकर, डा. मयंक त्रिपाठी, प्रो. नंदिता सत्संगी, डा भूपेंद्र सिंह, रागिनी सक्सेना शामिल थीं। संचालन कार्यक्रम समन्वयक डा मनोज वार्ष्णेय व डा. प्रज्ञा शर्मा ने किया। संयोजक लक्ष्मी शर्मा, पुष्पेंद्र सिंह का सहयोग रहा। प्रवक्ता यशवीर सिंह, हिमांशु सिंह, कल्पना सिन्हा, संजीव कुमार सत्यार्थी, रंजना पांडे, रचना यादव, यशपाल सिंह, डा दिलीप गुप्ता, अबु मुहम्मद मौजूद रहे। वि.

डायट में आयोजित जिला स्तरीय नवाचार महोत्सव व नालेज शेयरिंग कार्यक्रम में विजयी शिक्षकों को सम्मानित करते संयुक्त शिक्षा निदेशक डा मुकेश चंद्र अग्रवाल। साथ हैं डायट प्राचार्य पुष्पा कुमारी व अन्य • सौ. संस्था

उक्त नवाचार के प्रयोग से विगत कई वर्षों से छात्र-छात्राओं का परिणाम शत प्रतिशत आने लगा।

वर्ष	परीक्षाफल
2021	100%
2022	100%
2023	100%
2024	100%
2025	100%

उपलब्धि: शत प्रतिशत परिणाम के लिए के लिए डाइट आगरा में शिक्षिका व प्रधानाचार्या जी को संयुक्त शिक्षा निदेशक आगरा मंडल आगरा द्वारा सम्मानित किया गया

प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

सलीम शेरवानी (ब्यूरो चीफ)

आगरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान आगरा के सभागार जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय डॉ. आईपीएस सोलंकी के प्रयासों से जनपद के राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में कालेज का शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले प्रधानाचार्यों, अपने विषय का शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों व विद्यालय में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ.आर.पी. शर्मा एवं उप शिक्षा निदेशक प्राचार्य डायट/ जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय डॉ.आईपीएस सोलंकी ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ.आर.पी. शर्मा ने कहा कि जहां एक ओर सम्मान हमें प्रोत्साहित करता है वहीं दूसरी ओर हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाता है। उन्होंने इस प्रकार की पहल करने हेत जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय

की प्रशंसा की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप शिक्षा निदेशक प्राचार्य डायट/ जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय डॉ. आईपीएस सोलंकी ने कि बेहतर परिणाम हेतु शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन आवश्यक है इससे विद्यालय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करने में मदद मिलती है। आज आयोजित सम्मान समारोह में 20 प्रधानाचार्यों, 56 शिक्षिकाओं एवं 112 विद्यार्थियों को संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय द्वारा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डायट अनिल कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय, हिमांशु सिंह व लक्ष्मी शर्मा का विशेष सहयोग रहा । इस अवसर पर नीतू सिंह, जायस साइलस, रचना चौहान, राखी गुप्ता, डायट स्टाफ सहित समस्त सम्मानित होने वाले राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।